



6

N 318628

- 6- यह कि प्रस्तावित काम्यलेख के कुल फलित पूर्ण दिनिश होने के बाद 5 फलित प्रथमपक्ष के होंगे। जो एक फलित नंबर तीन प्रथमपक्ष पर व दूसरा फलित नंबर एक द्वितीयपक्ष पर व तीसरा फलितनंबर चार तृतीयपक्ष पर व चौथा फलितनंबर दो — पंचमपक्ष पर व पाँचवा फलित नंबर तीन षष्ठपक्ष पर होगा। जिसके प्रथमपक्ष एकमात्र स्वामी स्व मालिक होंगे जिसको वह स्वयं अपने पास रखे या किसी भी दीनर व्यक्ति को विक्रय करे, किराये पर उठाये, हस्तान्तरित करे, या उसका प्रतिफल स्वयं प्राप्त करे द्वितीयपक्ष को कोई आपाति व हस्तक्षेप न होगा तथा प्रथमपक्ष के उक्त 5 फलितों को छोड़कर काम्यलेख में निहित सभी फलित व दीनर तामीरात के स्वामी व एकमात्र मालिक व अधिकारी द्वितीयपक्ष होंगे।

